गृह पत्रिका: अंक-1/वर्ष: 2018-2019

भौतिकी किरण

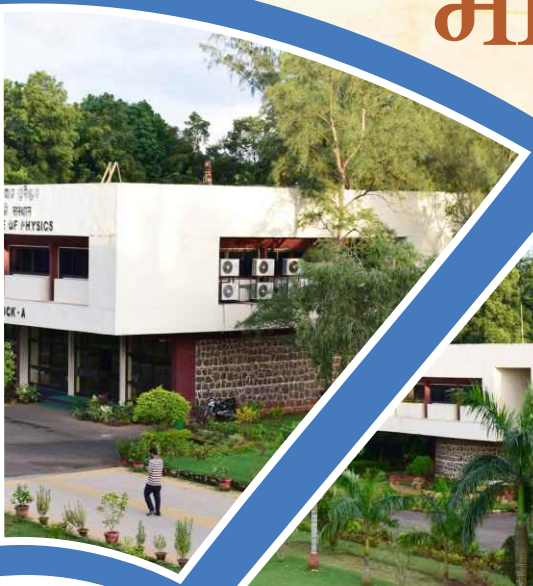

भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर

(परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार का एक स्वयंशासी अनुसंधान संस्थान)

भुवनेश्वर, ओड़िशा

स्वच्छता शपथ

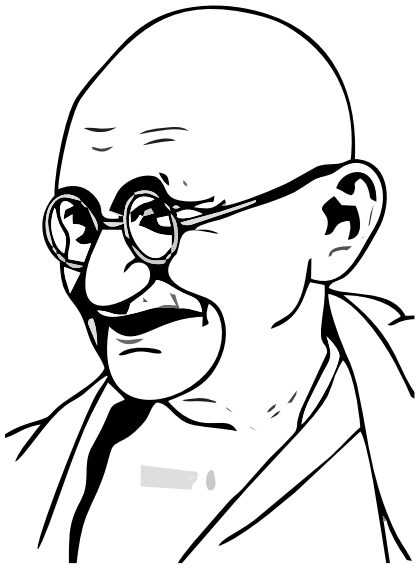

महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी । महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर माँ भारती को आजाद कराया। अब हमारा कर्तव्य है कि गंदकी को दूर करके भारत माता की सेवा करें।

मैं शपथ लेता हूँ कि जीदंगी मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूँगा और उसके लिए समय दूँगा। हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह २ घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूँगा। मैं न गंदगी करूँगा न किसी और को करने दूँगा। सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मुहल्ले से, मेरे गाँव से एवं मेरे कार्यस्थल से शुरुआत करूँगा।

मैं यह मानता हूँ कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहाँ के नागरिक गंदगी नहीं करते और न ही होने देते हैं। इस विचार के साथ मैं गाँव-गाँव और गली-गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूँगा।

मैं आज जो शपथ ले रहा हूँ, वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊँगा। वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दे, इसके लिए प्रयास करूँगा। मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा।

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

सरस्वती वंदना

वर दे, वीणावादिनी वर दे।
प्रिय स्वतंत्र रव, अमृत मंत्र नव
भारत में भर दें।
वर दे, वीणावादिनि वर दे।

काट अंध उर के बंधन स्तर
बहा जननि ज्योतिर्मय निर्झर
कलुष भेद तम हर प्रकाश भर
जगमग जग कर दे।
वर दे, वीणावादिनि वर दे।

नव गति नव लय ताल छंद नव
नवल कंठ नव जलद मद्र रव
नव नभ के नव विहग वृंद को,
नव पर नव स्वर दे।
वर दे, वीणावादिनि वर दे।

भौतिकी किरण

अंक-1वर्ष -2018-2019

संरक्षक

प्रो. सुधाकर पंडा
निदेशक

परामर्शदाता

श्री ऋषि कुमार रथ
रजिस्ट्रार

श्री एम.वी. वांजीश्वरन
प्रशासनिक अधिकारी

संपादक मंडल

डॉ. बासुदेव मोहांति
वैज्ञानिक अधिकारी-सी (पुस्तकालयाध्यक्ष)

श्री मकरंद सिद्धभट्टी
वैज्ञानिक अधिकारी-सी (सिस्टम्स मैनेजर)

श्री भगबान बेहेरा
वरिष्ठ हिंदी अनुवादक

नोट : प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार रचनाकारों के अपने हैं । यह आवश्यक नहीं कि संपादक मंडल अथवा प्रबंधन वर्ग की उनसे सहमति हो । गृहपत्रिका नि:शुल्क निजी वितरण के लिए है ।

भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर की राजभाषा कार्यान्वयन समिति

प्रो. सुधाकर पंडा निदेशक अध्यक्ष	
श्री ऋषि कुमार रथ रजिस्ट्रार उपाध्यक्ष	
श्री एम.वी. वांजीश्वरन प्रशासनिक अधिकारी सदस्य	**श्री रंजन कुमार नायक** परामर्शदाता (लेखा) सदस्य
डॉ. बासुदेव मोहांति पुस्तकालयाध्यक्ष सदस्य	**श्री मकरंद सिद्धभट्टी** सिस्टम्स मैनेजर सदस्य
श्री भगबान बेहेरा वरिष्ठ हिंदी अनुवादक सदस्य सचिव	
संपर्क सूत्रः	**श्री भगबान बेहेरा** वरिष्ठ हिंदी अनुवादक भौतिकी संस्थान, डाकः सैनिक स्कूल, भुवनेश्वर-751005 ई-मेलः bhagaban@iopb.res.in

अनुक्रमणिका

क्रमांक		पृष्ठ संख्या
1.	संरक्षक की कलम से	05
2.	रजिस्ट्रार की कलम से	06
3.	संपादकीय	07
4.	भौतिकी संस्थान का परिचय	08
5.	क्रिप्टोग्राफी	09
6.	एक छोटी सी तमन्ना	11
7.	विज्ञान का युग आया है	12
8.	तन्हाइयाँ	13
9.	कर्म और भगवान	14
10.	संस्थान में आयोजित राजभाषा गतिविधियों संबंधी रिपोर्ट	15
11.	हिंदी पखवाड़ा-2018	16
12.	संस्थान में आयोजित विभिन्न गतिविधियाँ	21
13.	राजभाषा गतिविधियों की कुछ झलकियाँ	25
14.	हिंदी अनुवादकों हेतु पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ	26

प्रो. सुधाकर पंडा
निदेशक
Prof. Sudhakar Panda
Director

भौतिकी संस्थान
भुवनेश्वर
Institute of Physics
Bhubaneswar
(परमाणु उर्जा विभाग, भारत सरकार का एक स्वायत अनुसंधान संस्थान)
(An Autonomous Research Institute of Dept. of Atomic Energy, Govt. of India)

संरक्षक की कलम से. . .

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर में संस्थान की गृह पत्रिका "भौतिकी किरण" का प्रकाशन हो रहा है। संस्थान में वैज्ञानिक गतिविधियों के साथ साथ राजभाषा हिन्दी का प्रयोग भी तेजी से बढ़ रहा है। इसलिए संस्थान को पिछले दो वर्षों से परमाणु ऊर्जा विभाग ने संस्थान को राजभाषा शील्ड से पुरस्कृत किया है।

संस्थान द्वारा गृह पत्रिका "भौतिकी किरण" का प्रकाशन कार्य अत्यंत प्रशंसनीय है। इस गृहपत्रिका के माध्यम से कार्मिकों की साहित्य सृजन की क्षमता को बढ़ावा तो मिलेगा ही, साथ ही राजभाषा हिन्दी में कार्य किये जाने हेतु एक उपयुक्त वातावरण भी बनेगा।

मैं आशा करता हूँ कि "भौतिकी किरण" का प्रथम अंक अपने उद्देश्यों में सफल होगा।

मैं इस पत्रिका के प्रकाशन से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का अभिनंदन करता हूँ तथा इसके निरंतर रूप से प्रकाशन की कामना करता हूँ।

सुधाकर पण्डा

(सुधाकर पंडा)

पो.ऑ.: सैनिक स्कुल, भुवनेश्वर -751 005, भारत
P.O.: Sainik School, Bhubaneswar - 751 005, India
दूरभाष/Phone - 0674-2301825 (O), 2301367 ®, पीएबीएक्स/PABX-2301058, Extn: 6401(O), 6601 ® Fax- 0674-2300142
ई-मेल/e-mail - panda.iopb.res.in/director.iopb.res.in, Website: http://www.iopb.res.in

श्री ऋषि कुमार रथ
रजिस्ट्रार

भौतिकी संस्थान
भुवनेश्वर
Institute of Physics
Bhubaneswar
(परमाणु उर्जा विभाग, भारत सरकार का एक स्वायत अनुसंधान संस्थान)
(An Autonomous Research Institute of Dept. of Atomic Energy, Govt. of India)

संदेश

भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर की वार्षिक गृह पत्रिका "भौतिकी किरण" का प्रथम अंक आपके समक्ष प्रस्तुत है जिसकी मुझे अत्यंत खुशी है। संस्थान की यह पत्रिका प्रकाशन से संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों को अपनी सृजनात्मक प्रतिभाओं को व्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम मिल रहा है जो भारत संघ की राजभाषा के प्रचार-प्रसार की दिशा में भी सकारात्मक कदम है।

हिंदी में सरकारी कार्य करने के साथ-साथ अधिकारियों व कर्मचारियों की साहित्य, कला, लेखन में जो अभिरूचित रहती है उसे व्यक्त करने के लिए भौतिकी किरण एक माध्यम है।

इस पत्रिका का प्रकाशन एक सामूहिक प्रयास का परिणाम है।

आशा है कि "भौतिकी किरण" में प्रकाशित रोचक, ज्ञानवर्धक तथा हिंदी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को कायम रखने में सफल साबित होगा।

इस पत्रिका को रूचिकर बनाने वाले समस्त अधिकारियों और संपादन मंडल को इसके सफल प्रकाशन पर हार्दिक बधाई देता हूँ।

आर.के.रथ
(ऋषि कुमार रथ)

पो.ऑ.: सैनिक स्कुल, भुवनेश्वर -751 005, भारत / P.O.: Sainik School, Bhubaneswar - 751 005, India
दूरभाष/Phone - 0674-2301431 (O), पीएबीएक्स/PABX-2301058, Extn: 6501(O), Fax- 0674-2300142
ई-मेल/e-mail - registrar@iopb.res.in/director.iopb.res.in, Website: http://www.iopb.res.in

संपादकीय

प्रिय पाठकों,

यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि आप भौतिकी संस्थान की वार्षिक गृहपत्रिका "भौतिकी किरण" का प्रथम अंक आपके समक्ष प्रस्तुत है। इस अंक में हमने बहुविषयक सामग्री को सरल हिंदी में प्रस्तुत करने की एक सार्थक कोशिश की है। यह पत्रिका संस्थान में राजभाषा गतिविधियों का प्रतिबिंब है।

राजभाषा नीति का पूर्णत: पालन करते हुए हम संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में उत्तरोत्तर वृद्धि करते हुए चले जा रहे हैं। इसीलिए पिछले दो वर्षों से संस्थान को परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा राजभाषा शील्ड ने सम्मानित किया है। संस्थान में समय समय पर हिंदी कार्यशालाओं एवं विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से कार्मिकों को प्रशिक्षित किया जा रहा ह। भुवनेश्वर स्थित अन्य वैज्ञानिक शिक्षण संस्थानों के सहयोग से वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।

इस पत्रिका में राजभाषा संबंधी गतिविधियों के अलावा अन्य विषयों से संबंधित आलेख, कविता आदि का समावेश किया गया ह।

मुझे पूरा विश्वास है कि पत्रिका का यह अंक आपको अच्छा लगेगा। इस बारे में आपके सुझाव और प्रतिक्रिया क्या है- इसके लिए आप नि:संकोच लिखें क्योकि इससे अवश्य ही पत्रिका के आगामी अंक में और सुधार लाकर इसे और निखारा जा सकेगा।

सादर।

(भगबान बेहेरा)

भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर एक परिचय

भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर, परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई), भारत सरकार का एक स्वायत्त अनुसंधान संस्थान है। इस संस्थान की स्थापना सन् 1972 में उड़ीसा सरकार द्वारा की गयी थी और यह संस्थान उनसे निरन्तर वित्तीय सहायता प्राप्त कर रहा है।

इस संस्थान में, सैद्धांतिक और परीक्षणात्मक संघनित पदार्थ भौतिकी, सैद्धांतिक उच्च ऊर्जा भौतिकी, और स्ट्रिंग सिद्धांत, सैद्धांतिक नाभिकीय भौतिकी, परा-आपेक्षिकीय भारी आयन संघट्टन और खगोल कण, क्वांटम सूचना, और उच्च ऊर्जा नाभिकीय भौतिकी प्रयोगात्मक के क्षेत्रों में आकर्षक अनुसंधान कार्यक्रम है। त्वरित्र सुविधाओं में से 3MV पैलेट्रॉन त्वरक और एक निम्न ऊर्जा रोपण उपकरण हैं । इन उपकरणों का प्रयोग निम्न ऊर्जा नाभिकीय भौतिकी, आयन किरणपुंज अंतक्रियायें, पृष्ठीय परिवर्तन एवं विश्लेषण, लेश तात्विक विश्लेषण, द्रव्यों का चरित्र चित्रण एवं काल प्रभावन आदि के अध्ययन होता है । काल निर्धारण के लिए बाह्य शोधकर्ताओं से नियमित रूप से नमूनें स्वीकार करके रेडियोकार्बन एएमएस उपकरण का प्रयोग किया जाता है । साधारणतः नैनोविज्ञान एवं नैनोप्रौद्योगिकी क्षेत्र और विशेषकर पृष्ठीय तथा अंतरापृष्ठीय में अध्ययन करने में हमारे संस्थान का स्थान महत्वपूर्ण है । इस संस्थान में नमूनें तैयार करने और नैनोसंरचनाओं के विभिन्न भौतिकी तथा रासायनिकी गुणधर्मों के अध्ययन के लिए संघनित पदार्थ प्रणालियों के प्रगत उपकरण उपलब्ध है। यह संस्थान सर्न (स्विटजरलैंड), बीएनएल (यूएसए), एएनएल (यूएसए), जीएसआई (जर्मनी) स्थित और विदेशों में स्थित अन्य प्रयोगशालाओं के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है । यह संस्थान भारत-आधारित न्यूट्रॉनों प्रयोगशाला (आईएनओ) कार्यक्रम में भी भाग ले रहा है ।

यह संस्थान एक एक वर्षीय प्रि-डाक्टोराल पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है। प्री-डाक्टोराल पाठ्यक्रम में प्रवेश का चयन संयुक्त प्रवेश परीक्षा (व्हिंऊ) द्वारा होता है । सीएसआईआर, यूजीसी, एनईटी परीक्षा में उत्तीर्ण तथा जीएटीइ परीक्षा में अच्छे अंक पाने वालों को भी प्रि-डाक्टोराल कार्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।

संस्थान के परिसर में ही कर्मचारियों के लिए आवास और अध्येताओं और पोस्ट डाक्टोराल फेलों के लिए होस्टल की सुविधा उपलब्ध हैं। पोस्ट डाक्टोराल फेलों और परिदर्शक वैज्ञानिकों के लिए मनोहर दक्षता आपार्टमेंट भी मौजूद हैं । परिसर में इंडोर तथा आऊटडोर दोनों की खेल सुविधायें उपलब्ध हैं। न्यू होस्टल में छोटी सी जिम की सुविधा भी उपलब्ध है। इस संस्थान के परिसर में एक अतिथि भवन, एक सभागार और एक औषधालय हैं ।

यह संस्थान अपना प्रतिष्ठा दिवस प्रत्येक वर्ष 4 सितम्बर को मनाता है।

क्रिप्टोग्राफी

श्री मकरंद सिद्धभट्टी
सिस्टम्स मैनेजर

यदि किसी संदेश / सूचना को सामान्य रूप से भेजा जाए तो उसमें निहित जानकारी के परिवर्तन या चोरी होने की संभावना होती है, और यदि संदेश गोपनीयता की श्रेणी में आता है तो इसकी गंभीरता और अधिक बढ़ जाती है। संगणक विज्ञान में इसे Man-in-middle attack कहा जाता है जहां कोई मध्यस्थ व्यक्ति साफ्टवेयर के द्वारा आपके द्वारा भेजी गई सूचना को पढ़ सकता है अथवा उसे संशोधित कर आगे प्रेषित करता है। आज के डिजिटल युग में इंटरनेट इत्यादि के माध्यम से कई संदेश, समाचार, आधिकारिक सूचना बड़े पैमाने पर भेजी जाती है, इस परिप्रेक्ष्य में सूचनाओं का सही रूप में संभावित प्राप्त कर्ता तक पहुंचना अति महत्वपूर्ण है। संगणक विज्ञान की क्रिप्टोग्राफी शाखा इस विषय में शोध और विकास के कार्य करती है। क्रिप्टोग्राफी का मुख्य उद्देश्य है किसी श्ंदेस को बिना किसी हानि या परिवर्तन के प्राप्त कर्ता तक पहुँचाना होता है। जिसमें संदेश की गोपनीयता, अधिप्रमाणन (authentication) इत्यादि प्रमुख है। श्ंदेस / सूचना को कूट शब्द / वाक्य में परिवर्तन करने तथा पुनः उसे मूल रूप में लाने की प्रक्रिया को एन्क्रिशन और डिक्रिप्शन कहते हैं।

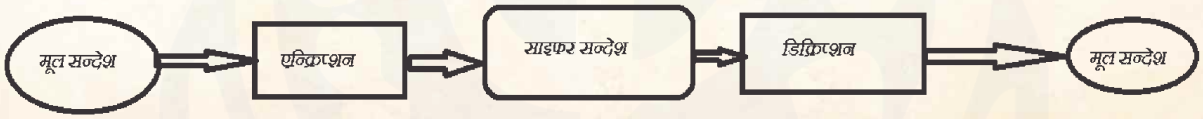

क्रिप्टोग्राफी प्रक्रिया

वस्तुतः इस प्रक्रिया में किसी मूल संदेश (जो आसानी से पढ़ा जा सकता है) को एन्क्रिप्शन प्रक्रिया द्वारा किसी कूट शब्द/ वाक्य में परिवर्तन किया जाता है। एनिक्रिप्शन हेतु विभिन्न प्रकार के गणितीय समीकरणों इत्यादि का उपयोग होता है । इसके बाद मूल संदेश को साइफर (Cipher) सन्देश कहा जाता है जो कि सामान्य रूप से अस्पष्ट/अपठनीय होता है। तत्पश्चात् सन्देश साइफर रूप में प्राप्तकर्ता को भेजा जाता है, यहाँ डिक्रिप्शन (जो एन्क्रिप्शन की विपरीत प्रतिक्रिया होती है) द्वारा सन्देश को उसके मूल रूप (पठनीय) रूप में परिवर्तित किया जाता है।

मुख्यतः क्रिप्टोग्राफी के दो प्रकार हैं :

1. सिमेट्रिक क्रिप्टोग्राफी
2. अ-सिमेट्रिक क्रिप्टोग्राफी

1. सिमेट्रिक क्रिप्टोग्राफी : इस प्रकार की क्रिप्टोग्राफी में एक की (Secret Key) सीक्रेट की का उपयोग होता है है अर्थात् सन्देश को एन्क्रिप्ट एवं डिक्रिप्ट करने के लिए एक ही की उपयोग में लाई जाती है। इसमें प्रेषक और प्राप्त कर्ता दोनों के पास सीक्रेट की (Secret Key) का होना अनिवार्य है। यह पुरानी तकनीक है किन्तु कुछ दोषों (Disadvantage)के कारण इसका प्रचलन कम हो गया है।

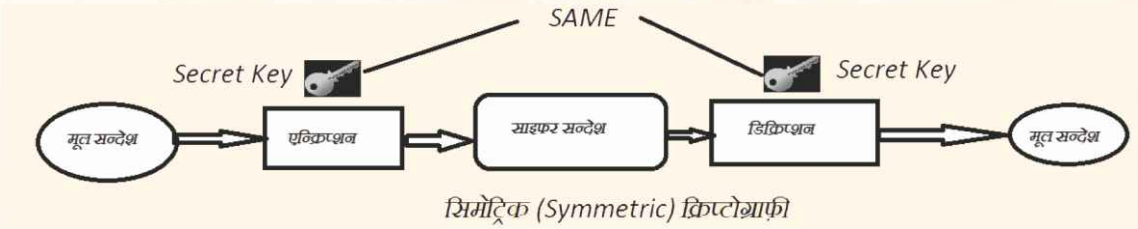

सिमेट्रिक (Symmetric) क्रिप्टोग्राफी

2. अ-सिमेट्रिक (Asymmetric) क्रिप्टोग्राफी : इसे पब्लिक की (Public Key) क्रिप्टोग्राफी भी कहा जाता है। इसमें दो प्रकार पब्लिक (Public) एवं प्राइवेट (Private) की का उपयोग होता है, और इन पब्लिक एवं प्राइवेट का आदान-प्रदान इंटरनेट के माध्यम से होता है । इसमें प्रेषक अपनी पब्लिक की से सन्देश को एन्क्रिप्ट करता है तथा प्राप्तकर्ता प्राइवेट की (Private Key) का प्रयोग कर सन्देश को डिक्रिप्ट करता है। वर्तमान में इस विधि का प्रचलन ज्यादा है।

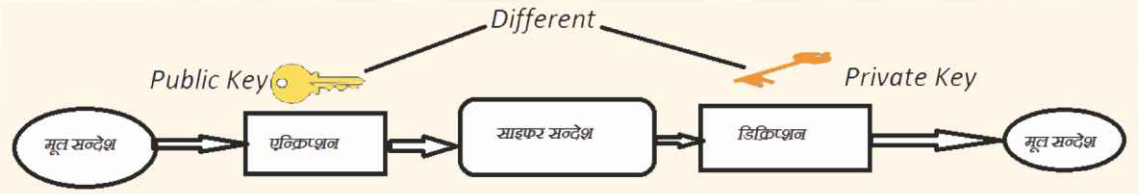

अ-सिमेट्रिक (Asymmetric) क्रिप्टोग्राफी

छोटी सी तमन्ना

श्रीमती सौभाग्यलक्ष्मी दास
सहायक

थक जाती हूं मैं
चलते चलते
बिना फुरसत की जिंदगी की राहों में
चलते चलते.... .....(1)

कांटों भरी जिंदगी की राश्ते में
तभी ढूंढते हैं हम
बचपन के वे दिन
माँ की वही आंचल
बाबा के सुरक्षित बाहें
थोड़ी सी राहत
इस धुम मचाती जिंदगी में.....(2)

आराम की किसीको पड़ी है
यहां तो दो पल की फुरसत भी मिले तो बड़ी बात
मस्ती कौन ढूंढता है
थोड़ी सी शांति मिल जो बहुत है
शांति ही एक मात्र चाहत है
और कुछ भी नहीं अभिलाषा यहां......(3)

बंगले की चाहत नहीं है,
रहने की बस एक ठिकाना हो
आकाश में उडने की चाहत नही,
बस ठंडी हवा का झोंक हो
सोना, चांदी न चाहे दील,
पर फूलों की मेला हो
दुनिया की हलचल से दूर
पंछियों का बसेरा हो... .....(4)

मैंने चाहा था एक छोटी सी
प्यार भरी दुनिया जिसमें
खो जाऊं मैं अपनों में
प्यार भरा अपनापन और
शरारत भरी नखरों में........(5)

मुझे क्या पता था यहां
अपने भी होते हैं पराया से दूर
लबों पर हंसी और दिल में हो चोर
बातों बातों में ही तोड़ जाते हैं दील
खडे करते हैं अपने ही मुश्किल.........(6)

अब तो चाहत बस यही है कि
दुनिया हो जारी ऐसा,
ईश्वर बना दें इंसानों को
फूल और पंछियों जैसा
न कोई बैर न कोई हिंसा
सबके मुंह पर हो प्यार की भाषा........(7)

सभी चाहे शंति और अमन अपनाना
पूरी होगी कब जाने ये छोटी सी तमन्ना......(8)।

विज्ञान का युग आया है

डॉ. शिव पूजन पटेल
भूतपूर्व पोस्ट डॉक्टरॉल फेलो

साइंस का युग आया है, नई रोशनी लाया है।
बेयर्ड साहब का टीवी आया,
घर बैठे सब कुछ दिखलाया।
टेप रेडियो आया,
सबका दिल बहलाया।
छोटी बड़ी न्यूज को,
पल भर में यू पहुँचाया है।
साइन्स का युग आया है, नई रोशनी लाया है।
मैकमिलन ने जब साइकिल लाया।
जेडेमलर ने बाइक दौड़ाया।
इस सब में आगे निकले कार्ल बेनन।
जिन्होंने मोटर कार चलाया।
पीछे रहते कैसे राइट बन्धु,
हवा में प्लेन उड़ाया है।
मुश्किल से मुश्किल यात्रा को
पल भर में सुगम बनाया है।
साइन्स का युग आया है, नई रोशनी लाया है।।
एडीसन ने बल्ब जलाया,
अंधकार को दूर भगाया।
पंखा, कुलर, एसी,हीटर आया
हर मौसम को एक बनाया।
ग्राहम बेल ने बजाया,
बाबु साहब ने फोन उठाया।
और बढ़ा साइन्स जब आगे,
कंप्यूटर मोबाइल आया है।
साइन्स का युग आया है, नई रोशनी लाया है।।
मोबाइल की बात कहूँ क्यो भैया,
हर हाथ में इसको पाया है।
यूवाँ दिल धडकन तो क्या
बूढ़ों का भी दिल धड़काया है।
साइन्स का युग आया है, नई रोशनी लाया है।
तीर, तलवार को दूर भगाया,
जबसे कोल्ट ने रिवाल्वर लाया।
तोप, बंदूक, मिसाइल आया,
मानव को हिंसक कर दिखाया।
परमाणु बम जब से विज्ञान ने लाया,
पूरी सृष्टि को विनाश की ओर
पहुँचाया।
और विशेष कहूँ क्या ईश्वर,
तुमको भी खतरे में पहुँचाया।
साइन्स का युग आया है, नई रोशनी लाया है।।

तन्हाइयाँ

शालिक राम जोशी
पूर्व डॉक्टरॉल फेलो

दुनिया में कुछ लोग हैं ऐसे,
जिन्हें तन्हाइयाँ बड़ी भाती है।
डूत जाते हैं तन्हाइयों में अपनी,
जब याद किसी की भाती है॥

दुनिया में कुछ लोग. . .. . ..

न कोई दोस्त है उनका,
न है कोई दुश्मन।
मुश्किल है वे महफिल में,
मगर फिर भी है एक उलझन।
क्यों लाया गया हूं यहां पर,
क्यों मैं आया हूं यहां पर,
जहां की हवायें भी,
दिलों में नफरतें भड़काती हैं॥

दुनिया में कुछ लोग. . .. . . .

न चाह है दौलत को मुझको,
न चाह है शौहरत की मुझको,
चाहता हूँ मैं, बस एक कोना
जहां सिर्फ मैं हूं, जहां सिर्फ मैं हूं।
जहाँ की खुशियाँ है, बस एक कोना,
जहां सिर्फ मैं हूं, जहां सिर्फ मैं हूं।
कभी तो मिलेगा, बस एक कोना।
जहां बादल गीत सुनाते हैं,
जहां लहरें मन में उमंग जगाती है,

दुनिया में कुछ लोग. . . .

कर्म और भगवान

श्री राज कुमार साहु
अवर श्रेणी लिपिक

भगवान! भगवान! भगवान! मुझे रक्षा करो, मुझे ये दे दो, मेरा ये काम करा देना, मुझे ये चाहिए, मुझे वो चाहिए और इसी प्रकार हमेशा जब भी किसी भी किसी प्रकार का दुबिधा आती है तो हम तुरंत भगवान को कुछ बिना समझें, परखे प्रार्थना करते हैं। तो अभी यह सवाल उठ रहा है कि क्या सच में भगवान हमारी बातों को सुनते हैं ? भगवान क्या सच में हैं ? भगवान कैसे हैं ? भगवान को क्या कोई देखा है ? मेहसूस किया है ? हमने सब भगवान के बारे में पढ़ा है, सुना है, टेलीविजन में भी देखा है तो इससे पता चलता है कि हमें भगवान के बारे में कुछ कुछ पता है । मैं कहूँगा कि ये सारे जवाब का उत्तर हाँ है, अब अपने सोचे होंगे कि यह सब कैसे होती है। मेरा मत से भगवान और सैतान सबके शरीर के अंदर में होते हैं और जो जैसे उसको रूप देते हैं जैसे आप चाहे तो आप भगवान और सैतान की तरह बन सकती है। यह सब हमारे कर्म पर आधारित है। मेरा यह मानना है कि जब कोई आदमी मन में बिना कोई कपट, स्वार्थ और आशंका लेकर अच्छा काम करता है, भला सोचता है, दूसरों को मदद करता है, किसी भी प्रकार का जनमंगल कार्य करता है तो लोग उसे भगवान मानते हैं। भगवान खुद किसी भी प्रकार समस्या का समाधान करने के लिए नहीं आते हैं। आपको पता होगा कि भगवान जैसे भगवान की तरह कार्य करने वालों से समस्या का समाधान कराते हैं वे भी फिर जिसका अच्छा सोच बिना कोई मतलब, स्वार्थ, छंद और संदेह मन में होता है। हम सब चाहे तो भगवान के छोटे से अंश की तरह बन सकते हैं जैसे गिलहरी। तो इससे लगता है कि भगवान का अंश सब में है और आत्म परामात्मा से जोड़ा है। भगवान हमेशा सैतान का विनाश करते हैं और सच का हमेशा जीत होता है। इसीलिए, हम सब सच मार्ग में जाकर जनमंगल कार्य करें और दूसरों को कष्ट न दें । फलस्वरूप हमको भी कोई कष्ट नहीं देगा और हमारे बारे में कोई भी बुरा नहीं सोचेगा। इस तरह चले तो एक दिन आएगा कि भगवान को बुलाना नहीं पड़ेगा, ये दो, वह दो, यह सब जरूरत नहीं पड़ेगा क्योंकि अपने आप हम जो चाहते हैं वे हमारे कर्म के हिसाब से मिल जाएगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि हमको जो मिलता है उसको सादर ग्रहण करना चाहिए क्योंकि हमारे कर्म के आधार पर सब कुछ मिलता है।

जो भी हो, लेकिन मैं सच में भगवान को देख है, छुआँ है, महसूस किया है, बात किया है, उनके साथ भी घुमा है और यह भी सच है कि अपने भी यह सब किया है भगवान के साथ जौ भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर कार्यालय में काम करते हैं यह तो आपको मजा देने के लिए छोटा सा प्रयाश था।

अंत में यह कहना चाहता हूँ कि हमेशा अच्छा सोचें, मन में दृढ़ विश्वास रखें, बिना कोई कपट, स्वार्थ लेकर मंगल कार्य करें।

मानव सेवा ही माधव सेवा

हमेशा मदद करो, किसी को कभी भी आघात न करो।

संस्थान में आयोजित राजभाषा गतिविधियों संबंधी रिपोर्ट

- **राभाकास बैठकों का आयोजन**: संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है। ये बैठकें दिनांक 25.4.2018, 03.07.2018, 31.08.2018, 24.10.2018 और 27.03.2019 को आयोजित की गई।

- **हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन**: संस्थान में नियमित रूप से प्रति तिमाही में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । ये कार्यशालाएं दिनांक 23.06.2018, 03.07.2018 &19.12.2018 को आयोजित की गयीं। जिनमें संस्थान के कर्मचारियों और अधिकारियों ने भाग लिया।

- **तिमाही प्रगति रिपोर्ट का प्रेषण**: संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट अगली तिमाही के दूसरे सप्ताह से पूर्व अनिवार्य रूप से परमाणु ऊर्जा विभाग को प्रेषित की गई और साथ ही इन्हें राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर नियमित रूप से अपलोड़ कर क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय को ऑन लाइन भी प्रेषित की जाती है।

- **राजभाषा शील्ड और हिंदी सेवी सम्मान रिपोर्ट का प्रेषण:** वर्ष के दौरान संस्थान में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन से संबंधित शील्ड और हिंदी सेवी सम्मान के लिए रिपोर्ट निर्धारित प्रपत्र में परमाणु ऊर्जा कार्यालय को भेजी गई ।

- **अनुभागों का राजभाषा निरीक्षण:** राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष और संयुक्त निदेशक (राजभाषा), परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा संस्थान सभी अनुभागों का राजभाषा निरीक्षण किया गया और तदुपरांत उन्होंने संस्थान की राभाकास बैठक के अंतर्गत अपनी संक्षिप्त समीक्षा प्रस्तुत की।

- **संयुक्त वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन:** संस्थान ने 10.01.2019 को विज्ञान संचार में वैज्ञानिक संस्थानों की भूमिका विषय पर भुवनेश्वर स्थित अन्य वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों के सहयोग से आईसीएआर-केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर में आयोजित किया है ।

- **प्रोत्साहन योजना :** संस्थान में हिंदी कामकाज हेतु परमाणु ऊर्जा विभाग की सभी प्रोत्साहन योजनायें लागू की गयी है जिसमें कार्मिकों को पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

हिंदी पखवाड़ा-2018

भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर में दिनांक तक हिंदी पखवाड़ा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़ा के दौरान विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया तथा प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किए गए। हिंदी पखवाड़ा -2018 दिनांक 10 सितम्बर से 25 सितम्बर 2018 तक आयोजित किया किया गया।

हिंदी दिवस समारोह - 2018

दिनांक 14.09.2018 को संस्थान में हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन विधिवत् रूप से हुआ था। प्रो. सुधाकर पंडा, निदेशक की अध्यक्षता से कार्यक्रम चला। श्री ऋषि कुमार रथ, रजिस्ट्रार ने उपस्थित संकाय सदस्यों, शोधछात्रों और कर्मचारियों को स्वागत किया। हिंदी दिवस के अवसर पर श्री राजनाथ सिंह, मान्यवर गृहमंत्री, भारत सरकार द्वारा भेजे गए संदेश का पाठ किया गया था। इस अवसर पर डॉ. शेखर बसु, अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग तथा सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग, द्वारा भेजे गए संदेश का पाठ किया गया था। प्रो. पंडा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में अपने सारगर्भित संबोधनों से उपस्थित सभी संकाय सदस्यों/अधिकारियों/कर्मचारियों/छात्रों का मार्गदर्शन किया। श्री भगबान बेहेरा, संयोजक ने सभी को धन्यवाद दिया।

हिंदी दिवस समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. सुधाकर पंडा, निदेशक (बीच में), श्री ऋषि कुमार रथ, रजिस्ट्रार (बाएं) और गृहमंत्री जी का संदेश पाठ करते हुए श्री मकरंद सिद्धभट्टी

हिंदी पखवाड़ा-2018 के दौरान आयोजित प्रतियोगितायें

हिंदी पखवाड़ा के दौरान संस्थान के कर्मचारियों एवं शोध छात्रों के लिए हिंदी में विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित की गईं। जिसका विवरण इस प्रकार है :-

क्रमांक	प्रतियोगिताओं का नाम	विजेता	पुरस्कार
1.	हिंदी टिप्पण तथा आलेखन	सौभाग्य लक्ष्मी दास भाष्कर मिश्र राज कुमार साहु	प्रथम द्वितीय तृतीय
2.	पत्र लेखन	लिपिका साहु भाष्कर मिश्र सौभाग्य लक्ष्मी दास	प्रथम द्वितीय तृतीय
3.	निबंध लेखन	भाष्कर मिश्र लिपिका साहु सौभाग्य लक्ष्मी दास	प्रथम द्वितीय तृतीय
4.	हिंदी अंग्रेजी अनुवाद	बाउला टुडु घनश्याम प्रधान लिपिका साहु	प्रथम द्वितीय तृतीय
5.	श्रुत लेखन	समरेंद्र दास कैलास चंद्र जेना राजन बिस्वाल	प्रथम द्वितीय तृतीय
6.	हिंदी सुलेख	समरेंद्र दास कैलास चंद्र जेना राजन बिस्वाल	प्रथम द्वितीय तृतीय
7.	वाद-विवाद	लिपिका साहु सौभाग्य लक्ष्मी दास भाष्कर मिश्र	प्रथम द्वितीय तृतीय
8.	हिंदी टंकण	बाउला टुडु घनश्याम प्रधान सौभाग्य लक्ष्मी दास	प्रथम द्वितीय तृतीय
9.	राजभाषा ज्ञान	सहदेब जेना प्रतिभा चौधूरी अभिषेक महारिक	प्रथम द्वितीय तृतीय

महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों विद्यार्थियों के लिए आयोजित प्रतियोगितायें

हिंदी पखवाड़ा के महत्व को आम जनता के बीच प्रसारित करने के लिए नए कदम के रूप में आस-पास के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए हिंदी निबंध और वाद-विवाद प्रतियोगितायें आयोजित की गयीं। दिनांक 18.09.2018 को ये प्रतियोगितयों आयोजित की गयीं थीं। विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों से आये विद्यार्थियों ने प्रतियोगितओं में भाग लेकर सफल बनाया।

(वाद-विवाद प्रतियोगिता के दौरान मूल्यांकन करते हुए विचारकगण:
डॉ. मनीष कुमार, प्रो. योगेन्द्र कुमार और डॉ. पुष्पामित्रा सरंगी)

हिंदी पखवाड़ा समापन और पुरस्कार वितरण समारोह

हिंदी पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 25.09.2018 को संस्थान के सम्मेलन कक्ष में आयोजित किया गया था। प्रो. सुधाकर पंडा, निदेशक ने इस समारोह की अध्यक्षता की। निदेशक महोदय ने संस्थान में राजभाषा की विभिन्न गतिविधियों का उल्लेख किया। साथ ही साथ उन्होंने सभी कर्मचारियों को हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने के लिए आह्वान किया। पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार राशि सहित प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया था। संस्थान की वेबसाइट पूरी तरह से हिंदी बनाने के कारण श्री मकरंद सिद्धभट्टी, सिस्टम्स मैनेजर को भी पुरस्कृत किया गया था।

अध्यक्षीय भाषण के उपरांत हिंदी पखवाड़ा समापन और पुरस्कार वितरण समारोह में श्री ऋषि कुमार रथ, रजिस्ट्रार ने पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों की सराहना की।

(विद्यार्थियों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जा रहा है)

(श्री कैलाश चंद्र जेना को पुरस्कृत किया जा रहा है)

(श्री घनश्याम प्रधान का पुरस्कृत किया जा रहा है)

उक्त समारोह में संस्थान सदस्यगण, शोधार्थीगण और कर्मचारियों ने भाग लिया था। श्री भगबान बेहेरा, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक ने सुचारू रूप से समारोह का संचालन किया और धन्यवाद प्रस्ताव रखा। इस प्रकार हिंदी पखवाड़ा-2018 समारोह सहर्ष सम्पन्न हुआ।

संस्थान में आयोजित विभिन्न गतिविधियाँ

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस - 2018

संस्थान में चौथे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2018 को मनाया गया। इस योग दिवस के दौरान डॉ. विश्व रंजन रथ, देव संस्कृति योग विद्यापीठ, भुवनेश्वर के मार्गदर्शन में योगासन तथा प्राणायम कराये गये जिसमें संस्थान के कर्मचारियों के साथ साथ शोधछात्रों और उनके परिजनों ने भाग लिया था। डॉ. रथ ने योग और उसके लाभ पर एक व्याख्यान प्रदान किया। इस कार्यक्रम में निदेशक प्रो. सुधाकर पंडा, रजिस्ट्रार श्री ऋषि कुमार रथ सहित संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और शोधछात्रों ने भाग लिया था।

(अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के दौरान डॉ. विश्वरंजन रथ, प्रो. सुधाकर पंडा, निदेशक और श्री ऋषि कुमार रथ, रजिस्ट्रार)

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम

भौतिकी संस्थान में दिनांक १५ सितम्बर से २ अक्तूबर २०१८ तक स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्मिकों द्वारा कार्यालय के विभिन्न भवनों और परिसरों को साफ कराया गया और जागरुकता कार्यक्रम और स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम आयोजित किये गये थे।

(स्वच्छता ही सेवा सप्ताह के दौरान कार्मिकों द्वारा गी जा रही स्वच्छता गतिविधियाँ)

अग्नि सेवा सप्ताह-2018

संस्थान में दिनांक 14.04.2018 से 20.04.2018 तक अग्नि सेवा सप्ताह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस सप्ताह का मुख्य उद्देश्य था संस्थान के कर्मचारियों और उनके परिजनों के बीच में अग्नि सुरक्षा के बारे में जागरुकता फैलाना। इस उद्देश्य से कार्यक्रम का उद्घाटन श्री एम. स्वांई, प्राचार्य, ओएफडीआरए ने किया था। अग्नि संरक्षा अभ्यास और बचाव प्रदर्शन भी कराया गया था।

(अग्नि सुरक्षा सप्ताह के उद्घाटन कार्यक्रम में संबोध न करते हुए श्री एम. स्वांई, मंचर श्री एस.के. साहु, प्रो.बी.आर.शेखर और श्री आर.के. रथ)

सतर्कता जागरुकता सप्ताह

केंद्रीय सतर्कता आयोग के निदेश से प्रत्येक वर्ष "सतर्कता जागरुकता सप्ताहह्ल का आयोजन किया जाता ह। तदनुसार, संस्थान में 29 अक्तूवर से 3 नवम्बर 2018 तक "सतर्कता जागरुकता सप्ताह "भ्रष्टाचार उन्मूलन-नये भारत का निर्माण शीर्षक पर मनाया गया। इस सप्ताह के आरंभ में निदेशक ने सभी कार्मिकों और शोधछात्रों को सतर्कता शपथ दिलवाया। इस सप्ताह के दौरान हैंडआउट वितरित किया गया, पोस्टर प्रदर्शित किए गए

अंतररराष्ट्रीय श्रमिक दिवस

संस्थान में दिनांक 01 मई 2018 को अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस मनाया गया था। संस्थान में काम कर रहे आउटसोर्स के मजदूरों को इस कार्यक्रम में शामिल किया गया था। कार्यक्रम में श्री टी.के. पंडा, उप-मुख्य श्रम आयुक्त (केंद्रीय), भुवनेश्वर ने श्रमिकों के अधिकार और श्रमिक दिवस के महत्व पर अपना वक्तव्य प्रदान किया था।

स्वतंत्रता दिवस समारोह-2018

संस्थान में उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था । स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में कर्मचारीगण, छात्रगण तथा उनके परिजनों ने भाग लिया था। संस्थान के निदेशक प्रो. सुधाकर पंडा त्रिरंगा फहराया था और राष्ट्रीय गान के बाद देश की स्वंतत्रता और उसे कायम रखने के लिए अपने अभिभाषण में बताया था।

(स्वतंत्रता दिवस 2018 के अवसर पर गार्ड ऑफ आनर के दौरान प्रो. सुधाकर पंडा, निदेशक)

भौतिकी संस्थान कर्मचारी कल्याण सोसाइटी की स्थापना दिवस समारोह

भौतिकी संस्थान कर्मचारी कल्याण सोसाइटी ने अपना ३वें स्थापना दिवस 1 जनवरी 2019 को संस्थान में मनाया । समारोह में प्रो. सुधाकर पंडा, निदेशक मुख्य अतिथि थे और श्री आर.के. रथ, रजिस्ट्रार ने सम्मानित अतिथि थे । इस समारोह में सोसाइटी के सदस्यों के साथ साथ उनके परिजनों ने भी भाग लिया था। प्रो. पंडा ने संस्थान में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया था ।

(विजेताओं को पुरस्कार वितरित करते हुए प्रो. सुधाकर पंडा, निदेशक)

(समारोह के दौरान प्रो. सुधाकर पंडा, निदेशक, और श्री आर.के. रथ, रजिस्ट्रार और सदस्यगण तथा उनके परिजनों)

गणतंत्र दिवस समारोह-2019

भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर में दिनांक 26 जनवरी 2019 को 70वें गणतंत्र दिवस समारोह बड़ी धूमधाम से आयोजित हुआ था। जिसमें संस्थान के कर्मचारीगण, विद्यार्थीगण और उनके परिजनों ने भाग लिया था। इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वजा श्री ऋषि कुमार रथ, रजिस्ट्रार ने फहराया था और राष्ट्रीय गान के बाद उन्होंने हिंदी भाषा में अपना अभिभाषण रखा था जिसमें भारतीय संविधान के महत्व और उनके महत्वपूर्ण विशेषताओं पर महत्व दिया था।

राजभाषा गतिविधियों की कुछ झलकियाँ

(दिनांक 23.06.2018 को आयोजित संयुक्त हिंदी कार्यशाला का उद्घाटन सत्र के दौरान मुख्य वक्ता)

संयुक्त हिंदी कार्यशाला में अपनी व्याख्यान देते हुए श्री समसन वर्गीज, मुख्य प्रशासन अधिकारी, भापाबो, मुंबई

हिंदी अनुवादकों हेतु पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

(उद्घाटन सत्र के दौरान मंचासीन अतिथिगण)

(पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागीगण)

परमाणु ऊर्जा विभाग की राजभाषा शील्ड और हिंदी सेवी सम्मान की झलकियाँ

(राजभाषा शील्ड श्री ए.आर.सुले, संयुक्त सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग के कर कमलों से ग्रहण करते हुए प्रो. सुधाकर पंडा, निदेशक)

(मुख्य अतिथि से हिंदी सेवी सम्मान करते हुए श्री मकरंद सिद्धभट्टी, सिस्टम्स मैनेजर)

(दिनांक 28.02.2019 को संस्थान में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के अवसर पर मंचासीन अतिथिगण)

(नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति में धन्यवाद प्रस्ताव रखते हुए श्री ऋषि कुमार रथ, रजिस्ट्रार)

(दिनांक 10.01.2019 को आयोति संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मंचासीन अतिथिगण)

हिंदी दिवस समारोह का उद्घाटन समारोह

हिंदी दिवस समारोह के अवसर पर अतिथिगण

हिंदी पखवाड़ा समारोह के अवसर पुरस्कार वितरण

हिंदी पखवाड़ा के दौरान प्रशस्ति पत्र वितरण

हिंदी कार्यशाला में व्याख्यान प्रदान करते हुए श्री वी.वी.कुलकर्णी, उप-निदेशक (राजभाषा)

हिंदी कार्यशाला के दौरान प्रतिभागीगण

design n printed at AD GRAPHIX